उपलब्धि : आठ साल में गीडा में बिछने लगा उद्योगों का जाल

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। बदलाव के आठ वर्षों (2017 से 2025 तक) में गोरखपुर को 319 औद्योगिक इकाइयों के जरिए 11618.75 करोड़ रुपये का औद्योगिक निवेश मिला, जिससे 39,448 लोगों को रोजगार मिला। जिस गोरखपुर में स्थानीय पूंजीपति भी औद्योगिक निवेश करने से घबराते थे, अब वहां देश की नामी कंपनियों के आने की होड़ सी दिखती है।

गोरखपुर को औद्योगिक विकास के नक्शे पर स्थापित करने के लिए नोएडा की तर्ज पर गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) की स्थापना यूं तो साढ़े तीन दशक पहले ही कर दी गई थी। वर्ष 2017 के पहले तक गीडा में निवेश, दूर की कौड़ी लगती थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने उद्यमियों और उनकी पूंजी की सुरक्षा की गारंटी देने का अनवरत ऐलान किया, इंडस्ट्री फ्रेंडली नीतियां बनाईं तो गीडा भी निवेश के लिए लिए बेहतरीन गंतव्य बन गया है। पहले जहां सालों कोई मुख्यमंत्री गीडा झांकने तक नहीं आता था।

सड़कों से भी सुधर रही गोरखपुर की पहचान

गोरखपुर। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद आठ साल में बेहतरीन रोड कनेक्टिविटी ने गोरखपुर को बड़े शहरों की कतार में खड़ा कर दिया है। इस अवधि में 7486.89 करोड़ रुपये की लागत से 1492.89 किमी की लंबाई में प्रमुख सड़कों का निर्माण हुआ है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर को लिंक एक्सप्रेस-वे की भी सौगात दी है। इसकी कनेक्टिविटी से राजधानी लखनऊ की राह भी और आसान हो रही है। इसका काम लगभग पूरा हो गया है।

50562 को शहरी क्षेत्र में मिला आवास

गोरखपुर। मुख्यमंत्री ने लघु और सीमांत किसानों के ऋण माफ किए। इससे गोरखपुर के 55,130 किसान लाभांवित हुए। उनके 19938 लाख रुपये के कर्ज माफ हुए। सीएम बनने के बाद आठ साल में 50,879 ग्रामीणों को अपना पक्का मकान मिला। शहरी क्षेत्र के 50,562 गरीब भी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से आच्छादित होकर पक्के मकान के स्वामी बने।

गीडा में बीते आठ साल में हुए कुछ बड़े निवेश

यूनिट	निवेश	रोजगार
केयान इंडस्ट्रीज	1200	1000
वरुण ब्रेवरेज	1100	1509
अंकुर उद्योग	500	2000
इंडिया ऑटोव्हील्स	400	1500
एसडी इंटरनेशनल	300	300
सीपी मिल्क	118	1000
तत्वा प्लास्टिक्स	105	110
कपिला कृषि	100	150

(नोटः निवेश का आंकड़ा करोड़ रुपये में है)

नॉलेज सिटी बन रही गोरक्षनगरी

गोरखपुर। गोरक्षनगरी अब नॉलेज सिटी बन रही है। प्रदेश सरकार के आठ वर्षों में जिले को सैनिक स्कूल समेत अटल आवासीय विद्यालय, जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, एक राजकीय महाविद्यालय, चार राजकीय इंटर कॉलेज, चार आईटीआई, दो पॉलिटेक्निक कॉलेजों की सौगात मिल चुकी है। पूर्व से संचालित कई विद्यालयों का कायाकल्प भी हुआ है। जनपद में एक राज्य और एक निजी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई तो वानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना की ओर सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं।